

Signature and Name of Invigilator

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

1. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

2. (Signature) \_\_\_\_\_

(Name) \_\_\_\_\_

Roll No. \_\_\_\_\_

(In words)

Test Booklet No.

**D-7005**

PAPER – III

TRIBAL & REGIONAL

Time : 2½ hours]

LANGUAGE - LITERATURE [Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 32

Number of Questions in this Booklet : 26

**Instructions for the Candidates**

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

**No Additional Sheets are to be used.**

3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

(i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

(ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.

4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. Use only Blue/Black Ball point pen.
9. Use of any calculator or log table etc. is prohibited.
10. There is NO negative marking.

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश**

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

**इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।**

3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

(i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

(ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।

4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
10. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

## **TRIBAL & REGIONAL LANGUAGE - LITERATURE**

**जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा - साहित्य**

**PAPER – III**

**प्रश्न-पत्र – III**

**NOTE:** This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

## SECTION - I

### खण्ड – I

**Note :** This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

**नोट :** इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है।

(5x5=25 अंक)

*Study the following statement carefully and give answers in 30 words each of the 5 questions based on them in Hindi, English, Bengali or Oriya. Each question carries 5 marks, totalling 25 (5x5) marks.*

“The processes of life are very complicated. Its endless dimensions have made it so complex that it appears like a battle. These complexities have been increasing with the progressive growth of civilization. Thirty thousand years ago when, according to scientists, man evolved as an intellect endowed being, his aspirations were limited. His mind was not complex. But today despite innumerable facilities our mind remains discontented and restless. We are entangled in a greater crisis. Its future state is easily imaginable.

Let us try to understand this abstract complexity of life through a concrete example. Put some water in a glass and place it on a table. Now put a colour tablet in it. Suppose its colour is red. Then the colour of the water will gradually turn into red. Again put a black colour tablet in it. Now the colour of the water will be neither fully red or black, but the mixing of the two will result in a special colour. Thus by mixing many colours the colour of the water will become altogether strange and dense.

In the same way the clear water of the primitive instincts of the individual and social mind is getting mixed with colours of many events and is becoming varied and dense. Our primitive instincts will take on new forms analogous to our progress.

This change is taking place in every element, in every moment. However, our beliefs and efforts are not that flexible. Our beliefs do not change as fast as the environment does. There is always a gap between the two. In Psychology this gap is called mal adjustment. At the individual level it is the cause of neurosis and gives rise to revolutions at the social level. In brief this is the cause of grief.”

*निम्नलिखित कथन का सावधानी से अध्ययन करें और उससे संबंधित 5 प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी, बंगला या उड़िया भाषा में 30-30 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए 5-5 अंक निर्धारित हैं।*

“जीवन की प्रक्रियाएँ बहुत जटिल हैं। अनंत आयामों ने इसे इतना जटिल बना दिया है कि इसका स्वरूप युद्धमय हो गया है। सभ्यता के उत्तरोत्तर विकास के साथ यह जटिलता भी बढ़ती जा रही है। आज से 30 हजार वर्ष पहले जबकि, वैज्ञानिकों के मतानुसार, बुद्धि-सम्पन्न मनुष्य का विकास हुआ, तब उसकी आकांक्षाएँ सीमित थीं। उसका मस्तिष्क जटिल नहीं था। किंतु आज असंख्य सुविधाओं के बावजूद हमारा मस्तिष्क अतृप्त और उद्वेलित है आज हम अधिक संकट में हैं। भविष्य में इसकी क्या गति होगी यह सहज ही अनुमेय है।

एक मूर्त उदाहरण से जीवन की इस अमूर्त जटिलता को समझने की चेष्टा करें। एक काँच के ग्लास में थोड़ा जल डाल कर टेबुल पर रखें। अब उसमें कोई एक रंग की टिकिया डाल दें। मान लीजिए उस टिकिया का रंग लाल है। तब जल का रंग स्वभावतः धीरे-धीरे लाल हो जाएगा। पुनः उसमें एक काले रंग की टिकिया डालें अब पानी का रंग न तो पूरा लाल होगा और न काला ही। किंतु दोनों के मिश्रण से एक विशेष रंग बन जाएगा। इसी प्रकार अनेक रंगों के मिश्रित होते उस जल का रंग सर्वथा विचित्र और गहन होता जाएगा।

व्यक्ति या समाज के मस्तिष्क में आदिम प्रवृत्तियों का जो स्वच्छ जल है, वह इसी प्रकार अनेक घटनाओं के रंग से युक्त हो कर विचित्र और गहन होता जा रहा है। हम ज्यों-ज्यों विकास करते जाएंगे, त्यों-त्यों हमारी आदिम प्रवृत्तियाँ नये-नये रूपों में प्रतिफलित होती जाएँगी।

यह परिवर्तन प्रत्येक क्षण, प्रत्येक कण में होता जा रहा है। किंतु हमारी मान्यताएँ और हमारे प्रयत्न इतने लचीले नहीं हैं। परिवेश जितना शीघ्र बदलता जाता है उतनी शीघ्रता से हमारे विश्वास नहीं बदलते। इसलिए दोनों के बीच सदा एक खाई बनी रहती है। इसी खाई को मनोविज्ञान में असंतुलन कहते हैं। वैयक्तिक स्तर पर यह मनस्ताप का कारण है और सामाजिक स्तर पर उत्क्रांति का जन्मदाता। संक्षेपतः यही दुःख का कारण है।”

1. What could be an appropriate title for this statement ? Justify.

इस कथन का उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है? युक्ति दीजिए।

2. Why is our mind discontented and restless despite innumerable facilities ?

असंख्य सुविधाओं के बावजूद हमारा मस्तिष्क क्यों अतृप्त और उद्वेलित है?

3. What is the meaning of imbalance in this statement ? How does it come into being ?

इस कथन में असंतुलन का क्या अर्थ है? यह कैसे पैदा होता है?

4. What is the cause of our grief according to this statement ?

इस कथन के अनुसार हमारे दुःख का कारण क्या है?

[illegible]

5. According to this statement, what should we do to attain happiness in life ?

इस कथन के अनुसार जीवन को सुखमय बनाने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

[illegible]

## SECTION - II

## खण्ड – II

**Note :** Give answer in 30 words each in Hindi, English, Bangla or Oriya.  
Each question carries 5 marks totalling 75 marks.

**(5x15=75 marks)**

**नोट :** इस खंड में प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी, बंगला या उड़िया भाषा में 30-30 शब्दों में दें।  
प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।

(5x15=75 अंक)

6. What is the subject matter of the study of Ethnology ? What are the main points of study ?

जाति विज्ञान में किस विषय का अध्ययन किया जाता है? इस अध्ययन के मुख्य बिंदु क्या हैं?

This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.

7. What are the similarities between the Adivasis and Sadans living in Jharkhand ?

झारखंड में रहने वाले आदिवासियों और सदानों में क्या समानता है?

8. What is the difference between linguistics and grammar ?

भाषाविज्ञान और व्याकरण में क्या अंतर है?



9. Bring out the distinctive grammatical features of any one of the tribal and regional languages.

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं में किसी एक की व्याकरणिक विशेषताएँ बताइए।

10. What are the advantages gained to the study of tribal and regional languages through the study of Indian literature ?

भारतीय साहित्य के अध्ययन से जनजातीय एवं क्षेत्रीय साहित्य के अध्ययन में क्या लाभ मिलता है?

11. Is there any impact of the literature of your language in Indian literature ? Explain through an example.

क्या आपकी भाषा के साहित्य का भारतीय साहित्य पर कोई प्रभाव दिखता है? एक उदाहरण से स्पष्ट कीजिए।

12. Bring out the distinctive features of literature on the basis of a well known definition of literature.

साहित्य की किसी प्रसिद्ध परिभाषा के आधार पर साहित्य की विशेषता बताइए।

13. Underline the structural distinction of drama or personal essay.

नाटक या ललित निबंध के संरचनात्मक वैशिष्ट्य को रेखांकित कीजिए।

14. What is the importance of character in fiction ? Explain.

कथा-साहित्य में चरित्र का क्या महत्व है। स्पष्ट कीजिए।

15. What is 'Rupak' or 'Upma' alankara ? Explain through an example.

‘रूपक’ या ‘उपमा’ अलंकार क्या है? एक उदाहरण से स्पष्ट कीजिए।

16. What is 'Lakshna' ? Give one example.

‘लक्षणा’ क्या है? एक उदाहरण दीजिए।

17. Explain main features of Folk-literature.

लोक साहित्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

18. What is 'Sanskar - geet' ? Give a few examples.

'संस्कार गीत' क्या है? कुछ उदाहरण दीजिए।

**19.** Bring out the differences between legend and myth.

लीजेण्ड और मिथ का अंतर स्पष्ट कीजिए।

This image shows a single sheet of white paper with horizontal blue or grey ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are approximately 20 lines visible. The paper has a slight shadow on its right side, suggesting it's resting on a surface.

20. What is the importance of Folk-language ?

लोकभाषा का महत्व बताइए।

[illegible]

SECTION - III

खण्ड – III

**Note :** Give your answers in Hindi, English, Bengali or Oriya in 200 words for each question. Every question carries 12 marks, totalling 60 (5x2) marks

(5x12=60 marks)

**नोट :** इस खंड के प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी, बंगला उड़िया भाषा में 200-200 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।

(5x12=60 अंक)

21. Analyse and evaluate one folk-song or folk-tale from a tribal and regional language.  
किसी जनजातीय अथवा क्षेत्रीय भाषाओं के एक लोकगीत या लोककथा का विश्लेषण और मूल्यांकन कीजिए।
22. Bring out the distinctive features of the poetry of an early poet in one of the tribal and regional languages.  
किसी एक जनजातीय अथवा क्षेत्रीय भाषाओं के एक पुराने कवि की काव्यगत विशेषता बताइए।
23. Describe the distinction features of the poetry of a recent poet in one of the tribal and regional languages.  
किसी एक जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के एक नये कवि की रचनात्मक उपलब्धियों पर प्रकाश डालिए।
24. Give a literary introduction to a prose writer in one of the tribal and regional languages.  
किसी एक जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के एक गद्य लेखक का साहित्यिक परिचय दीजिए।
25. Give a few creative suggestions for the development of tribal and regional languages.  
जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के विकास के लिए कुछ रचनात्मक सुझाव दीजिए।

This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.



[illegible]

This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.

[illegible]

This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.

[illegible]

This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.

[illegible]

This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.



SECTION - IV

खण्ड – IV

**Note :** Answer of this section should be given in a tribal and regional language in 1000 words. This question carries 40 marks. (1x40=40 marks)

**नोट :** इस खंड के उत्तर किसी एक जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा में 1000 शब्दों में दीजिए।  
इसके लिए 40 अंक निर्धारित हैं। (1x40=40 अंक)

**26.** Write a short essay on the development of fiction or folk-song in any one of the tribal and regional languages.

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं में किसी एक के कथा-साहित्य अथवा लोक गीत के विकास पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिए।

This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.

[illegible]

This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.

This image shows a single sheet of white paper with horizontal ruling lines. The lines are evenly spaced and run across the width of the page. There are no margins, text, or other markings on the paper.

[illegible]



FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....